मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति

**जामिया मिल्लिया इस्लामिया के दंत चिकित्सा संकाय ने एनईपी-2020 के अनुरूप स्वास्थ्य व्यवसायों में शिक्षकों के लिए संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किया**

नई दिल्ली, 9 मई, 2025

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के दंत चिकित्सा संकाय ने कल एनईपी-2020 और योग्यता आधारित शिक्षा के अनुरूप स्वास्थ्य व्यवसायों के शिक्षकों के लिए 'स्व-निर्देशित शिक्षा' (ऑनलाइन व्याख्यान सह कार्यशाला) पर संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में पूरे भारत से 213 पेशेवरों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया जिसमें दंत चिकित्सा, मैडिसिन, फिजियोथेरेपी और नर्सिंग क्षेत्रों के वरिष्ठ और कनिष्ठ संकाय सदस्य शामिल थे। इस अवसर पर जामिया मिल्लिया इस्लामिया के माननीय कुलपति प्रो. मजहर आसिफ मुख्य अतिथि थे।

शिक्षकों के लिए आजीवन सीखने के महत्व को रेखांकित करने और स्वास्थ्य पेशेवरों के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा के मुद्दे को संबोधित करने के लिए कार्यक्रम का आयोजन स्वास्थ्य व्यवसायों के शिक्षकों को छात्रों के बीच स्व-निर्देशित शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए प्रभावी रणनीतियों से लैस करने के प्राथमिक लक्ष्य के साथ किया गया था। यह एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें शिक्षार्थी अपने अधिगम की ज़रूरतों को पहचानने, लक्ष्य निर्धारित करने, उपयुक्त संसाधन खोजने, उपयुक्त अधिगम की रणनीति चुनने और शिक्षक के मार्गदर्शन के साथ या उसके बिना अपनी प्रगति का मूल्यांकन करने की पहल करते हैं। पारंपरिक शिक्षाप्रद तरीकों से आगे बढ़ते हुए, कार्यशाला ने शिक्षकों को अपने छात्रों के बीच इन कौशलों को विकसित करने, स्वायत्तता, आंतरिक प्रेरणा, आलोचनात्मक सोच और आजीवन अधिगम में निरंतर रुचि को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित किया जो स्वास्थ्य सेवा अभ्यास की लगातार विकसित होने वाली मांगों के अनुकूल होने के लिए आवश्यक गुण है ।

कार्यक्रम की शुरुआत पवित्र कुरान के पाठ से हुई और तदुपरान्त दंत चिकित्सा संकाय की डीन, प्रो. केया सरकार ने स्वागत भाषण दिया, जिन्होंने उपस्थित लोगों के प्रति अपना हार्दिक आभार व्यक्त किया और जामिया मिल्लिया इस्लामिया की समृद्ध विरासत, शैक्षणिक उपलब्धियों और दंत चिकित्सा संकाय के स्वास्थ्य शिक्षा और सामाजिक विकास में निरंतर योगदान पर प्रकाश डाला।

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के कुलपति, प्रो. मजहर आसिफ ने संकाय विकास हेतु अपने सक्रिय दृष्टिकोण के लिए दंत चिकित्सा संकाय की सराहना की। उन्होंने अकादमिक ठहराव और जीवाश्मीकरण के खतरों के प्रति आगाह किया और इस बात पर रोशनी डाली कि इस प्रकार के कार्यक्रम यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक हैं कि शिक्षक विकसित शैक्षणिक पद्धतियों और वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं के साथ अपडेट रहें। आधुनिक दंत चिकित्सा के साथ पारंपरिक ज्ञान को एकीकृत करने की आवश्यकता की वकालत करते हुए प्रो. आसिफ ने बल दिया कि भारतीय ज्ञान प्रणाली की गहन अंतर्दृष्टि को अपनाने से दंत चिकित्सा के अनुशासन में अधिक मानवीय और व्यापक दृष्टिकोण को अपनाने की क्षमता है जो न केवल स्वस्थ दांतों को बढ़ावा देता है अपितु एक व्यक्ति की समग्र भलाई को भी बढ़ावा देता है।

शैक्षणिक सत्र में प्रो. (डॉ.) सुहासिनी नागदा, एक प्रसिद्ध शिक्षिका और एफएआईएमईआर फेलो, पूर्व डीन नायर डेंटल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, मुंबई, जो वर्तमान में सीयू शाह मेडिकल कॉलेज, गुजरात में निदेशक और शैक्षिक सलाहकार के रूप में कार्यरत हैं, के नेतृत्व में एक आकर्षक व्याख्यान और व्यावहारिक कार्यशाला शामिल थी। अपने विशाल अनुभव से आकर्षित होकर प्रो. नागदा ने कक्षा और नैदानिक सेटिंग्स में स्व-निर्देशित अधिगम को एकीकृत करने के व्यावहारिक तरीकों पर चर्चा की, केस-आधारित उदाहरण साझा किए और इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किए जिससे प्रतिभागियों को कार्यान्वयन योग्य कार्य योजनाएँ विकसित करने में सहायता मिली।

समापन सत्र के साथ कार्यक्रम समाप्त हुआ जिसमें संसाधन संकाय, आयोजन टीम, स्वयंसेवकों और प्रतिनिधियों की उत्साही भागीदारी के समर्पण एवं योगदान को स्वीकार किया गया। संकाय विकास कार्यक्रम का समन्वय प्रो. इरम परवेज, प्रो. शबीना सचदेवा और प्रो. रिजवाना मलिक द्वारा कुशलतापूर्वक किया गया, जिनके प्रयासों ने कार्यक्रम के निर्बाध निष्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

प्रो साइमा सईद
मुख्य जनसंपर्क अधिकारी
जामिया मिल्लिया इस्लामिया